हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 113 हल्द्वानी (नैनीताल) शुक्रवार 06 मार्च 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया

हल्द्वानी /पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का काठगोदाम स्थित सर्किट हाउस हल्द्वानी में कुमाऊं कमिश्नर एवं सचिव मुख्यमंत्री दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल और एसएसपी मंजुनाथ टीसी ने उनका हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया।इस दौरान प्रशासन और पुलिस के आला अधिकारी मौजूद रहे,पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आज भीमताल में प्रवास करेंगे क्योंकि यह उनका निजी दौरा है

युवती ने घर में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली

रुद्रपुर। कोतवाली क्षेत्र में एक युवती ने घर में फंदा लगा कर आत्महत्या कर ली। युवती को लटका देख सब्जन उसे उतार कर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल से पुलिस को मेमो भेजा गया। पुलिस के पहुंचने से पहले परिजन जबरन शव ले गए। हालांकि पीआरडी के जवान रोकते रहे। बाद में पुलिस ने घर पर पहुंच शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई को भेजा है।बुधवार दोपहर को कोतवाली क्षेत्र महेशपुर निवासी 18 वर्षीय राधा पुत्री राम अवतार ने घर में ही गले में फंदा लगाकर लटक गई। इसी बीच परिजनों की नजर कमरे में गई तो उसे लटका देख उनके होश उड़ गए। आनन-फानन में लोगों की मदद से उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।बताया जा रहा है कि अस्पताल में तैनात पीआरडी के जवानों ने शव अस्थाई मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस के पहुंचने से पहले ही परिवार के लोग शव घर ले जाने लगे। पीआरडी के जवानों ने रोका तो उनकी परिजनों से नोंक-झोंक हो गई और परिवार के लोग शव घर ले गए।बाद में दरोगा चंदन बिष्ट, कांस्टेबल कृष्ण गांव में पहुंचे और परिजनों से जानकारी लेने के बाद शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई को भेजा है। पुलिस के मुताबिक युवती को मां ने डांट दिया था। पुलिस जांच कर रही है। उधर परिवार में कोहराम मच गया। मृतक एक से छोटी थी। उससे छोटा भाई है।

बाइक सवार की मौके पर ही मौत

हल्द्वानी(संवाददाता)। होली के दिन गौलापार के कुंवरपुर क्षेत्र में एक बाइक सवार आगे जा रहे वाहन से टकराकर सड़क पर गिर गए। इससे पीछे से आ रही तेज बोलेरो की चपेट में वो आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस के अनुसार देवल्ला तल्ला निवासी 54 वर्षीय किसान सोबन सिंह होली की शाम घर से बाहर जाने के लिए निकले थे। इस दौरान घर आते वक्त चोरगलिया रोड पर कुंवरपुर क्षेत्र में उनकी बाइक आगे जा रहे वाहन से टकरा गई और वह सड़क पर अनियंत्रित होकर गिर गए। इस दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो की वह चपेट में आ गए।इससे उनके सर व पांव में बुरी तरह चोट लग गई। गुरुवार को पोस्टमार्टम हाउस में पहुंचे स्वजन ने बताया कि आनन फानन में सोहन सिंह को हल्द्वानी के बेस अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

घटना से मृतक के घर में कोहराम मच गया। मृतक अपने पीछे पत्नी, बेटा व बेटी को छोड़ गए हैं। दोनों बेटा व बेटी की शादी हो चुकी है।

रामनगर की बैडमिंटन जोड़ी का राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयन हल्द्वानी में जीते टूर्नामेंट

रामनगर (संवाददाता)। राज्य स्तरीय मास्टर्स बैडमिंटन प्रतियोगिता हल्द्वानी में मिनी स्टेडियम में आयोजित

हुई ,उसमें चालीस से अधिक आयु के युगल वर्ग में डॉ मानस साह और पवन गुप्ता की जोड़ी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है, जो की मनोहर पर्रिकर इनडोर बैडमिंटन स्टेडियम गोवा में मार्च महीने में आयोजित होनी है।अपनी इस उपलब्धि का श्रेय उन्होंने कड़ी मेहनत और अनुशासन को दिया है। दोनों खिलाड़ियों की उपलब्धि में उनके परिवार के सदस्यों ,अंतर्राष्ट्रीय कोच श्री डीके सेन,जिला कीड़ा अधिकारी नैनीताल निर्मला तिवारी, पूर्व सहायक निदेशक खेल सुरेश पांडे, उत्तरांचल बैडमिंटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी, रामनगर बैडमिंटन क्लब के अध्यक्ष गणेश रावत, नवीन जोशी, संजय लखोटिया, हिमांशु बिष्ट आदि ने खुशी जाहिर की है और साथ ही भविष्य के प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दी है।

नानकमत्ता डैम में एक युवक डूब गया

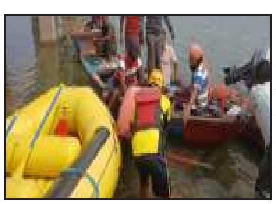

उधम सिंह नगर (संवाददाता)। डीसीआर उधम सिंह नगर से एसडीआरएफ पोस्ट रुद्रपुर को सूचना प्राप्त हुई कि नानकमत्ता डैम में एक युवक डूब गया है। सूचना प्राप्त होते ही एसडीआरएफ टीम पोस्ट रुद्रपुर से उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह राणा के नेतृत्व में आवश्यक रेस्क्यू उपकरणों के साथ तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।घटनास्थल पर पहुंचकर एसडीआरएफ टीम द्वारा त्वरित रूप से सर्च एवं रेस्क्यू अभियान प्रारंभ किया गया। टीम द्वारा गहन खोजबीन करते हुए डैम क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन चलाया गया, जिसके दौरान डैम में डूबे युवक का शव बरामद कर लिया गया। इसके उपरांत शव को बाहर निकालकर अग्रिम आवश्यक कार्यवाही हेतु जिला पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।मृतक की पहचान जसवीर सिंह पुत्र सुरजीत सिंह, उम्र 19 वर्ष, निवासी देवपुरा के रूप में हुई है।

छलड़ी पर रंगों में सराबोर रहा अल्मोड़ा

अल्मोड़ा(संवाददाता)। होली के समापन दिवस छलड़ी पर जिले भर में लोगों ने उत्साह के साथ रंगों की होली खेली। नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक होली गायन के साथ पर्व को विदा किया। बुधवार को सुबह से ही लोग घरों से निकलकर परिचितों और पड़ोसियों के घर पहुंचे। नगर के विभिन्न मोहल्लों में होल्यारों की टोलियां नाचते-गाते घर-घर पहुंचीं और पारंपरिक होली गीतों का गायन किया। लोगों ने एक-दूसरे को रंग और अबीर-गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। होल्यारों की टोलियों ने श्हो-हो होलक रेश, श्आज का बसंत कैका घराश, श्उनर पूत परिवार, जीवो लाख सौ बरसाश, श्बरसै दिवाली बरसै फागश और श्रंग की गागर सिर पै धरे आज कन्हैया रंग भरेश जैसे पारंपरिक होली गीत गाकर माहौल को उत्सवमय बना दिया।

सम्पादकीय

भारत को तुर्की से सीखना चाहिए

भारत के सामने एक मॉडल तुर्किए का है, जिसने न सिर्फ अपने को अपनी हथियार जरुरतों में आत्मनिर्भर बनाया है, बल्कि दुनिया के अनेक देशों को ड्रोन सहित अपने हथियार बेच रहा है। उसने पिछले 40 साल में इतने सुनियोजित तरीके से यह काम किया है कि भारत को उससे सीखना चाहिए। भारत ने भी देखा कि कैसे ऑपरेशन सिंदूर के समय तुर्किए से मिले ड्रोन से पाकिस्तान लड़ रहा था। अब भी उसी के ड्रोन गाहे बगाहे पाकिस्तान सीमा पर दिखते हैं। उसने सातवें दशक में साइप्रस संकट के समय अमेरिका और यूरोप ने उसको हथियार देने पर पाबंदी लगा दी थी। उसके बाद ही उसने अपने को आत्मनिर्भर बनाने का फैसला किया और 1985 में प्रेसिडेंसी ऑफ डिफेंस इंडस्ट्रीज के नाम से एक केंद्रीय संस्था बनाई। उसके बाद पिछले चार दशक में तुर्किए ने अलग ही पहचान बना ली है। भारत भी इस मॉडल पर काम कर सकता है। इस मॉडल की कुछ खास बातें हैं। जैसे तुर्किए ने दूसरे देशों के साथ जो भी हथियार सौदा किया उसमें प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की अनिवार्य शर्त रखी। उसने अमेरिका, जर्मनी, इटली आदि से हथियारों का सौदा किया तो उसके लोकल प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की शर्त रखी। उसने स्थानीय इंजीनियरों द्वारा उत्पादन की भी शर्त रखी। सोर्स कोड और डिजाइन पर अधिकार किया और लडाकू विमान से लेकर हेलीकॉप्टर और गाइडेड मिसाइल जैसी कई चीजों के उत्पादन का लाइसेंस हासिल किया। इसके बाद उसने ड्रोन क्रांति की, जिसमें निजी कंपनियों को शामिल किया। रक्षा उत्पादन में भी तुर्किए ने पब्लिक और प्राइवेट पार्टनरशिप में काम किया। लेकिन ड्रोन का पूरा क्षेत्र निजी कंपनियों को दिया और यह सुनिश्चित किया कि वे उत्पादन करें, बिकवाने की गारंटी उसकी होगी। यानी तुर्किए उनके लिए बाजार और ग्राहक जुटाएगा। आज स्थिति यह है कि अपनी रक्षा जरुरतों के मामले में तुर्किए 80 फीसदी आत्मनिर्भर है। इतना ही नहीं तुर्किए आज 180 देशों को अपने हथियार बेचता है। पूरा अफ्रीका उसका बाजार है। वह मध्य एशिया, खाड़ी देशों के साथ साथ यूरोप को भी हथियार बेचता है। उसने देश के कई हिस्सों में डिफेंस प्रोडक्शन के कलस्टर बनाए हैं, जहां उत्पादन होता है। भारत अगर आज इस मॉडल पर चलना शुरू होता है तो अब तकनीक और उत्पादन की रफ्तार दोनों इतनी तेज हो गई है कि उसे तुर्किए की तरह 40 साल नहीं इंतजार करना होगा। वह सिर्फ 10 साल में अपनी जरुरतों के लिए आत्मनिर्भर हो जाएगा और दुनिया के रक्षा से जुड़े उत्पाद बेचने लगेगा। भारत के पास पहले से डीआरडीओ और अन्य पीएसयू हैं, जो रक्षा उपकरण बना रहे हैं। भारत जो व्यापारिक संधियां कर रहा है उसमें प्रौद्योगिक हस्तांतरण, लाइसेंस्ड प्रोडक्शन, लोकल इंजीनियर और लोकल प्रोडक्शन, सोर्स कोड व डिजाइन पर कंट्रोल आदि की शर्तें रखवाता है और निजी व सरकारी कंपनियों को इस काम में शामिल करता है तो बहुत जल्दी भारत में भी एक बड़ा मिलिट्री डिफेंस कॉम्प्लेक्स विकसित हो सकता है। इसके अलावा भारत के पास इसरो के रूप में एक ऐसी संस्था है, जिसने पहले से पूरी दुनिया में अपना बाजार बनाया है। उसको राजनीति में घसीटने की बजाय उसे और मजबूत बनाया जाए तो वहां से दुनिया भर के सेटेलाइट लॉन्च होंगे, जिनसे भारत को आय होगी। भारत की बड़ी समस्या यह है कि यहां के अरबपति, खरबपति सब यही के 140 करोड़ लोगों की जेब से पैसे निकालने और सरकारी व प्राकृतिक संपदा का दोहन करके अपना खजाना भरने में लगे हैं। वे शोध व विकास यानी आरएंडडी पर धेला खर्च नहीं करते हैं। वे कोई जोखिम नहीं लेते हैं। उनकी सारी कमाई दुनिया की बड़ी कंपनियों का माल बेच कर है या सरकारी ठेके हासिल करने से है। सरकार खुद भी आरएंडडी पर बहुत कम खर्च करती है। सरकार रिसर्च पर अपना खर्च बढ़ाए, शिक्षण संस्थाओं को बेहतर करे और निजी सेक्टर को निवेश करने के लिए प्रेरित करे तब भी भारत की निर्भरता दूसरे देशों पर कम होगी और उसके बाद भारत अपना सामान बाहर बेचने लायक बनेगा।

शिक्षक अब पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं

अजीत द्विवेदी

शिक्षक का मूल कार्य अध्ययन और अध्यापन है। भारत के सरकारी स्कूलों के शिक्षक अध्ययन का काम पहले ही काफी हद तक छोड़ चुके थे और अब अध्यापन का काम भी नाममात्र का रह गया है। शिक्षक अब स्कूलों में पढ़ाने के लिए नहीं हैं, बल्कि पाठ्येत्तर कार्यों के लिए हैं। उनके ऊपर इतने कामों की जिम्मेदारी लाद दी गई है कि वे बच्चों को पढ़ाने के लिए समय नहीं निकाल पा रहे हैं। सरकारी स्कूलों की शिक्षा का स्तर लगातार कम होता जा रहा है तो इसका एकमात्र कारण यह नहीं है कि शिक्षक अच्छे नहीं हैं या शिक्षकों के प्रशिक्षण की अच्छी व्यवस्था नहीं है। वह कई कारणों में से एक कारण है। असल में सरकारी स्कूलों की कार्यों की सूची में अध्यापन का कार्य प्राथमिकता में नहीं है।उन्हें स्कूल से बाहर और स्कूल में भी कई दूसरे काम करने हैं, जिनका पढ़ाई-लिखाई से कोई मतलब नहीं है। जैसे अभी 12 राज्यों और केंद्र शासित राज्यों के शिक्षक मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के काम में लगे हैं। कुछ राज्यों के शिक्षक स्थानीय निकायों के चुनाव करा रहे हैं। इस साल और अगले साल दो चरणों में जनगणना का काम होगा और शिक्षक उसमें लगा दिए जाएंगे। पांच राज्यों के चुनाव भी हैं तो मतदान कराने से लेकर मतगणना तक उन राज्यों के सरकारी शिक्षक उसमें व्यस्त हो जाएंगे। वैसे उन राज्यों के स्कूल भी चुनाव के लिए आरक्षित होंगे। कहीं सुरक्षा बलों को ठहराया जाएगा तो कहीं मतदान केंद्र बनेंगे तो कहीं मतगणना केंद्र बनाए जाएंगे।मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण या संक्षिप्त पुनरीक्षण या मतदान और मतगणना या जनगणना जैसे कामों की सूची बेहद लंबी है, जो शिक्षकों को करना होता है। एक अनुमान के मुताबिक अध्ययन और अध्यापन के अलावा शिक्षकों को स्कूल के बाहर डेढ़ दर्जन किस्म के अन्य सरकारी काम करने होते हैं। एक शिक्षक ने तंज करते हुए सोशल मीडिया में लिखा था कि अच्छा है कि सरकार खेती नहीं कराती है अन्यथा बुवाई, कटाई का काम भी शिक्षकों को करना होता।बहरहाल, सरकार परिवार और स्वास्थ्य का सर्वे करती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार पशुओं की गिनती कराती है तो वह काम शिक्षक करते हैं, सरकार किसी आपदा की स्थिति में राहत सामग्री बांटती है तो वह काम भी शिक्षकों के जिम्मे होता है, किसी बीमारी या टीके के लिए जागरूकता फैलानी है तो उसका जिम्मा भी शिक्षकों के ऊपर होता है, सफाई अभियान चलाना है तो उसमें शिक्षकों को आगे किया जाता है, यहां तक कि सत्तापक्ष के किसी बड़े नेता की रैली होती है तो उसमें भी शिक्षकों को बस में भर कर रैली में जाना होता है। केंद्र और राज्य सरकारों के अलावा जिले के कलेक्टर, प्रखंड के बीडीओ और पंचायत के मुखिया भी शिक्षकों को किसी न किसी काम में लगाए रहते हैं।स्कूल के बाहर शिक्षकों को जो डेढ़ दर्जन अलग अलग किस्म के काम करने होते हैं उसके बाद ऐसा नहीं है कि बचे हुए समय में उनको स्कूल में बच्चों को पढ़ाना है। स्कूल में उनको डेढ़ दर्जन अलग किस्म के काम करने हैं, जो अध्ययन और अध्यापन से इतर हैं। मिसाल के तौर पर मिड डे मील तैयार करना एक काम होता है। एक से ज्यादा शिक्षक तो इसी में लगे रहते हैं। राशन खरीदने से लेकर खाना तैयार कराना और बच्चों को खिलाना स्कूलों में प्राथमिकता का काम है। जब से सरकार को लगने लगा है कि मास्टर लोग राशन में गड़बड़ी करते हैं तब से गड़बड़ी नहीं होने के सबूत जुटाना यानी हर चीज का हिसाब रखना, वीडियो आदि बनाना, डैशबोर्ड पर अपलोड करना भी शिक्षकों का जिम्मा हो गया है।एक समय सरकार को लगा कि बच्चे सिर्फ खाने आते हैं या बच्चों की असली संख्या कम होता है और ज्यादा बच्चों के लिए खाना बनाने के नाम पर पैसे की गड़बड़ी होती है तब से शिक्षकों को यह काम भी दिया गया कि वे मिड डे मील खाने वाले बच्चों का फेशियल रिकग्निशन करें और उनकी वीडियो तैयार करें ताकि पुष्टि हो सके कि जिस बच्चे का नाम रॉल में है उसने स्कूल में खाना खाया। सो, मिड डे मील का मामला अब राशन खरीदने, खाना बनवाने और खिलाने के काम से काफी आगे बढ़ गया है। इस बीच तमिलनाडु सहित 12 राज्यों ने प्रस्ताव दिया है कि अगर स्कूलों में बच्चों को सुबह का नाश्ता भी दिया जाए तो उनका बेहतर पोषण होगा, उपस्थिति बढ़ेगी और पढ़ाई में उनका मन भी लगेगा। केंद्र सरकार इस पर विचार कर रही है। केंद्र और राज्य सरकारों को इसे भी लागू कर ही देना चाहिए ताकि शिक्षकों को पढ़ाने के काम से पूरी तरह से मुक्ति मिल जाए।

ऐसा नहीं है कि इतने पर भी शिक्षकों की जिम्मेदारी समाप्त हो जाती है। उन्हें और भी कई काम करने होते हैं। मान लीजिए कि शिक्षा मंत्री शिक्षा से जुड़े किसी कार्यक्रम को संबोधित करते हैं तो स्कूलों से कहा जाता है कि उनका भाषण बच्चों को सुनाया जाए ताकि वे श्लाभान्विद्ध हो सकें। केंद्रीय विद्यालयों में केंद्रीय शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है तो राज्यों के स्कूलों में राज्य के शिक्षा मंत्री का भाषण सुनाया जाता है। प्रध ानमंत्री का भाषण तो सभी स्कूलों में सुनाया जाता है। भाषण सुनाने की व्यवस्था करने में कम से कम दो कक्षाएं प्रभावित होती हैं। लेकिन इतने पर काम खत्म नहीं होता है।

भाषण सुनते बच्चों की वीडिया बना कर उनको ऊपर भेजना होता है और किसी निर्धारित पोर्टल पर अपलोड भी करना होता है। यह काम हर सरकारी फंक्शन के बाद करना होता है। राष्ट्रीय दिवस का कार्यक्रम हो या नवाचार के नाम पर शुरू की गई किसी पहल का कार्यक्रम हो। उसे आयोजित करना, उसकी वीडियो बनाना और उसे अपलोड करना शिक्षकों की जिम्मेदारी होती है। शिक्षकों को इवेंट मैनेजर बना दिया गया है। उनको कार्यक्रम आयोजित करने, उसे सफल बनाने और उसके वीडियो अपलोड करने से फुरसत नहीं मिलती है। ग्रामीण और छोटे कस्बों में तो ज्यादातर स्कूल दो या तीन शिक्षकों के साथ चलते हैं। उन स्कूलों में तो शिक्षकों को पढ़ाने की फुरसत कभी नहीं मिल पाती है।

एनसीईआरटी के निदेशक रहे देश के जाने माने शिक्षाविद् प्रोफेसर कृष्ण कुमार ने दो महीने पहले श्एक अग्रेजी अखबाग्र में एक लेख लिखा था, जिसका शीर्षक था श्इन इंडिया, व्हाई टीचर्स आर वॉकिंग अवे फ्रॉम द क्लासरूम्श्। इसमें उन्होंने यूनेस्को की एक रिपोर्ट का हवाला दिया था, जिसका टाइटल श्व्हेअर हैव ऑल द टीचर्स गॉन्श्र था। इसमें यूनेस्को ने दुनिया भर में उभर रहे एक ट्रेंड का हवाला दिया था। दुनिया भर के देशों में पिछले दो दशक में अलग अलग कारणों से शिक्षक अपनी नौकरी छोड़ रहे हैं। ऐसा नहीं है कि दूसरी नौकरी मिलने पर वे शिक्षक की नौकरी छोड़ रही हैं। वे स्कूलों में नौकरी करने की बजाय बेरोजगारी और अनिश्चितता का भविष्य चुन रहे हैं। यह बहुत भयावह ट्रेंड है। ऐसा करने के कई कारणों में एक कारण स्कूलों में बच्चों का बदलता व्यवहार भी है।

अच्छे शिक्षकों के लिए अब बच्चों को स्कूलों में हैंडल करना दिन प्रतिदिन मुश्किल होता जा रहा है। एक कारण स्कूलों की दशा भी है। लेकिन एक बड़ा कारण नौकरशाही है, जिसका ऊपर जिक्र किया गया है। शिक्षकों को पढ़ाने से ज्यादा प्रबंधन के काम में लगा दिया गया है। उन्हें कार्यक्रम आयोजित करने हैं, कार्यक्रमों की वीडियो बनानी है, उन्हें सरकारी पोर्टल पर अपलोड करना है, अलग अलग कार्यों की रिपोर्ट तैयार करनी है, उस रिपोर्ट को सरकारी दफ्तरों में भेजना है, नेताओं व अधिकारियों के भाषण सुनने हैं, उन भाषणों में कही गई उलजुलूल बातों को स्कूल में बच्चों को बताना है, इन सब कारणों से अच्छे शिक्षकों का मोहभंग हो रहा है। वे स्कूल छोड़ रहे हैं। जो बचे रह जा रहे हैं वे अध्ययन या अध्यापन का काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि नौकरी कर रहे हैं।

शिक्षकों को क्लर्क या मैनेजर बना दिया गया है। उन्हें बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के तरीके खोजने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता है। उन्हें बच्चों में रचनात्मकता लाने के लिए प्रेरित नहीं किया जाता है।

हजारों की संख्या में हरिद्वार पहुंचे भाजपाई

ऋषिकेश(संवाददाता)। हरिद्वार में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की सात मार्च को प्रस्तावित जनसभा को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने तैयारियां तेज कर दी हैं। ऋषिकेश विधानसभा से चार हजार कार्यकर्ताओं का रैली शामिल होने का दावा है, जबकि डोईवाला विधानसभा से भी इतने ही कार्यकर्ता सभा के लिए कूच करेंगे। गुरुवार को सांगठनिक जिले ऋषिकेश के अध्यक्ष राजेंद्र तड़ियाल ने रेलवे रोड स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक आयोजित की। उन्होंने रैली की सफलता के लिए कार्यकर्ताओं से जुटने का आह्वान किया। पूर्व मंत्री एवं विधायक प्रेमचंद अग्रवाल ने ऋषिकेश विधानसभा अंतर्गत ऋषिकेश, रायवाला, वीरभद्र और श्यामपुर मंडल में चार हजार कार्यकर्ताओं को रैली तक पहुंचाने के लिए जिम्मेदारी भी सौंपी। मौके पर मेयर शंभू पासवान, राज्यमंत्री सुरेंद्र मोघा, जिला सह प्रभारी अमन त्यागी, मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी, भाजयुमो जिलाध्यक्ष शिवम

टुटेजा, महिला मोर्चा अध्यक्ष ममता नयाल, देवदत्त शर्मा, सरदार सतीश सिंह, राजपाल ठाकुर, नितिन सक्सेना, सत्यपाल राणा, अनिरूद्ध शर्मा आदि मौजूद रहे। वहीं, डोईवाला में भी जिलाध्यक्ष ने केंद्रीय गृह मंत्री की जनसभा को लेकर संगठनात्मक तैयारियों की समीक्षा की। नगर पालिका सभागार में आयोजित बैठक में विधायक बृजभूषण गैरोला भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री का आगमन कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी रैली न सिर्फ संगठन को मजबूती देगी, बल्कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों, उपलब्धियों और विकास कार्यों का संदेश भी जनजन पहुंचाने का काम करेगी। उन्होंने विधानसभा के सभी मंडल अध्यक्षों की जिम्मेदारियां भी तय की। रैली को सफल बनाने का आह्वान भी किया। पालिकाध्यक्ष नरेंद्र सिंह नेगी, उषा कोठारी, वंदना स्वामी, पंकज शर्मा, रश्मि देवी, सौरभ नौडियाल, संपूर्ण रावत, राजेश भट्ट, अनीता गुरुंग, राजकुमार राज, आदेश पंवार, मनमोहन नौटियाल, अमित कुमार, अवतार सिंह सैनी, प्रकाश कोठारी आदि मौजूद रहे।

एसआरएचयू में मॉडर्न बायोलॉजी पर चार सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

ऋषिकेश(संवाददाता)। स्वामी राम हिमालयन विश्वविद्यालय (एसआरएचयू) जौलीग्रांट के स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज में चार सप्ताह तक चले प्रशिक्षण कार्यक्रम का गुरुवार को समापन हो गया। मॉडर्न बायोलॉजी एडवांस्ड मॉलिक्यूलर टूल्स फॉर हेल्थकेयर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। स्कूल ऑफ बायोसाइंसेज में आयोजित समापन समारोह की मुख्य अतिथि अंतरराष्ट्रीय पीडीपी ट्रेनर मंजू नौटियाल ने विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने, नई सोच के साथ आगे बढ़ने और अपने कार्य में ईमानदारी और नैतिकता बनाए रखने की बात कही। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और इंटरनेट ऑफ थिंग्स के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी, जिससे प्रतिभागियों को नई तकनीकों को समझने का अवसर मिला। स्कूल ऑफ बॉयोसाइंसेज के डीन डॉ. संजय गुप्ता ने बताया कि स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से प्रायोजित चार सप्ताह के प्रशिक्षण कार्यक्रम में छह अलग-अलग संस्थानों से आए 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को आधुनिक मॉलिक्यूलर तकनीकों, बायोइन्फॉर्मेटिक्स टूल्स और प्रयोगशाला में काम करने का प्रायोगिक (हैंड्स-ऑन) प्रशिक्षण दिया गया। इसके साथ ही वैज्ञानिक लेखन, शोध की नैतिकता और डेटा विश्लेषण जैसे विषयों पर भी सत्र आयोजित किए गए। इस दौरान प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि इस प्रशिक्षण से उन्हें नई तकनीकों और प्रयोगशाला कार्य की अच्छी समझ मिली। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर डीन डॉ. संजय गुप्ता, डॉ. प्रदीप वार्ष्णेय, डॉ. विवेक कुमार, डॉ. निक्कू यादव, डॉ. गीता भंडारी, डॉ. विकास जादौन, डॉ. नूपुर जोशी आदि उपस्थित रहे।

ऋषिनगरी में होली पर खूब उड़ा अबीर गुलाल

ऋषिकेश(संवाददाता)। ऋषिनगरी में होली हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाई गई। चारों ओर अबीर-गुलाल की बौछार देखने को मिली। लोग ढोल-नगाड़ों की थाप पर लोग नाचते नजर आए और एक-दूसरे को रंग लगाकर खुशियां बांटीं। लोगों ने गिले-शिकवे भुलाकर साथ मिलकर जश्न मनाया और मिठाइयों की मिठास से रिश्तों में रंग घोल दिए। होली पर सुबह से ही लोग उत्साहित नजर आए। हर तरफ लोगों को मस्ती करते देखा गया। शहर और गांव-गांव हुरियारों की टोलियां निकलीं। देर शाम तक हर तरफ रंग बरसता रहा। होली पर सबसे अधिक उत्साह बच्चों में दिखाई दिया। बच्चे अपने साथियों के साथ पिचकारी से एक-दूसरे पर रंग फेंकते हुए देखे गए। होली में लोगों के चेहरे इस प्रकार से रंगे गए थे कि होली खेलने वाले लोगों को पहचानना भी मुश्किल हो रहा था। क्षेत्र में युवतियों एवं महिलाओं ने घरों से लेकर मोहल्लों तक जाकर होली खेली।

ऋषिनगरी में अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव की तैयारियां शुरू

ऋषिकेश(संवाददाता)। ऋषिकेश में अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नौ मार्च से परमार्थ निकेतन में होने वाले योग महोत्सव के लिए योग शिक्षक, प्रस्तुतकर्ता और प्रतिभागी पहुंचने लगे हैं। इसमें 80 देशों के करीब एक हजार विदेशी साधक पहुंचेंगे। उधर,जीएमवीएन गंगा रिजॉर्ट में 16 मार्च से सात दिवसीय इंटरनेशनल योग महोत्सव आयोजित किया जाएगा। परमार्थ निकेतन इन दिनों योग, साधना और आध्यात्मिक ऊर्जा के अद्भुत रंगों से सराबोर है। नौ मार्च से शुरू होने जा रहे योग महोत्सव से पूर्व ही यहां का वातावरण योगमय हो उठा है। दुनिया के विभिन्न देशों से आये योग साधक और आध्यात्मिक जिज्ञासु मां गंगा के पावन तट पर योग, ध्यान, प्राणायाम, सत्संग और दिव्य गंगा आरती में भाग लेकर एक अद्भुत आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने कहा कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की विधि नहीं बल्कि जीवन को संतुलित और सामंजस्यपूर्ण बनाने का मार्ग है। योग महोत्सव के लिए आश्रम में तैयारियां तेजी से चल रही हैं। विश्व के प्रमुख योगाचार्य, आध्यात्मिक मार्गदर्शक और योग साधक इस महोत्सव में सहभाग करने के लिए पहुंच रहे हैं। यह महोत्सव योग, ध्यान, आयुर्वेद, आध्यात्मिक संवाद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विश्व को भारतीय योग परम्परा की गहराई का अनुभव कराएगा। उधर, गढ़वाल मंडल विकास निगम गेस्ट हॉऊस गंगा रिजॉर्ट में इस बार 16 मार्च से सात दिवसीय योग महोत्सव आयोजित होगा। इन दिनों महोत्सव की तैयारियां तेजी से की जा रही है। गंगा रिजॉर्ट के वरिष्ठ प्रबंधक जीआर ढौंडियाल ने बताया कि 16 मार्च से शुरू होने जा रहे योग महोत्सव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बड़ी संख्या में योग साधकों के महोत्सव में पहुंचने की उम्मीद है। महोत्सव के लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार...

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर परेड ग्राउंड देहरादून में महिला खेल प्रतियोगिता

देहरादून संवाददाता अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च को परेड ग्राउंड, देहरादून में आयोजित होने वाला महिला एथलेटिक्स एवं फन एक्टिविटी कार्यक्रम सुबह 7 बजे से प्रारंभ होगा। यह आयोजन युवा मामलों एवं खेल मंत्रालय की इकाई माय भारत देहरादून एवं भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के सहयोग से किया जा रहा है।इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों के लिए तीन आयु वर्ग निर्धारित किए गए हैं13 वर्ष तक, 13 से 18 वर्ष, 18 वर्ष से अधिक। प्रत्येक आयु वर्ग में 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर दौड़ आयोजित होंगी। इसके साथ ही फन एक्टिविटी के अंतर्गत रस्साकशी प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। सभी स्पर्धाओं में विजेता प्रतिभागियों को मेडल प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।उपनिदेशक माय भारत देहरादून मोनिका नांदल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराना है। उन्होंने कहा सभी महिलाएं ,बालिकाएं अधिक संख्या में पहुंचे ताकि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस को खेल, स्वास्थ्य और सशक्तिकरण के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया जा सके।

पथरी के बिशनपुर झरडा में होली के दिन रंग में भंग, पत्थरबाजी में दो दर्जन लोग घायल

हरिद्वार(संवाददाता)। पथरी थाना क्षेत्र के बिशनपुर झरडा में होली के दिन रंग खेलते समय दो पक्ष भिड़ गए। मामूली कहासुनी ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई और दोनों ओर से पत्थरबाजी भी की गई। इस घटना में 24 से अधिक लोग घायल हो गए। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस घटना से पूरे गांव में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद लाठियां फटकारकर मामला शांत कराया। पुलिस को देखकर मारपीट में शामिल लोग मौके से फरार हो गए। पुलिस के मुताबिक, होली खेलते समय गांव में कुछ युवकों के बीच कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते बहस बढ़ गई और दोनों पक्षों के कई लोग आमने-सामने आ गए। वायरल वीडियो में करीब 50 से अधिक लोगों की भीड़ एक-दूसरे पर हमला करती दिखाई दे रही है। घायलों को उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कुछ को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, जबकि बाकी का इलाज जारी है। एक-दूसरे के खिलाफ पुलिस से शिकायत थाना प्रभारी मनोज नौटियाल ने बताया कि दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी गई है। इस मामले की जांच की जा रही है। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान कर जल्द कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात है और शांति व्यवस्था बनी हुई है।

पथरी के गांवों में पुलिस की निगरानी में होली का जश्न

हरिद्वार(संवाददाता)। पथरी क्षेत्र के अतिसंवेदनशील गांवों में इस बार होली का त्योहार पुलिस की कड़ी निगरानी के बीच हुआ। धनपुरा, नसीरपुर कलां और इब्राहिमपुर को संवेदनशील श्रेणी में रखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरे दिन अलर्ट मोड पर रहा। चप्पे-चप्पे पर तैनात पुलिसकर्मी स्थिति पर नजर बनाए रहे। सीसीटीवी कैमरों और वीडियोग्राफी के जरिए होली के जुलूस की लाइव निगरानी की गई। होली से पूर्व एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर ने अफसरों के साथ बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि किसी भी सूरत में शांति व्यवस्था भंग नहीं होनी चाहिए। इसी क्रम में एसपी देहात शेखर सुयाल ने स्वयं गांवों का दौरा कर सुरक्षा जांची। सीओ लक्सर, थानाध्यक्ष मनोज नौटियाल, फेरुपुर चौकी प्रभारी विपिन कुमार पूरे समय अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रहे।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

ऋषिकेश(संवाददाता)। ऋषिकेश एम्स के कैंसर चिकित्सा एवं रुधिर विज्ञान विभाग में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्मिकों का सम्मान किया गया। कैंसर रोग विशेषज्ञ एवं सह आचार्य डॉ. अमित सहरावत ने विभाग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कार्मिकों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। गुरुवार को एम्स में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सहरावत ने कहा कि सम्मान परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का प्रतिफल होता है। कहा कि सम्मान प्राप्त करने वाले लोगों की बेहतर कार्य करने को लेकर प्रतिबद्धता एवं जिम्मेदारियां भी बढ़ जाती हैं, क्योंकि सम्मानित व्यक्ति से परिवार व समाज की अधिक अपेक्षाएं होती हैं। डॉ. सहरावत ने कहा कि उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं होती, निरंतर सीखना, सीखे हुए को समाज में क्रियान्वित करना, स्वयं का आंकलन करना और बेहतर करने का प्रयास ही प्रगति का मार्ग है। उन्होंने सत्यनिष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा को एक अच्छे कर्मचारी व जिम्मेदार नागरिक की विशेष पहचान बताया।

हिन्दी दैनिक जोखिम

होली का त्योहार जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

नई टिहरी(संवाददाता)। होली का पर्व जिलेभर में आपसी भाई-चारे के साथ धूमधाम से मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। बौराड़ी स्टेडियम में नगर पालिका अध्यक्ष मोहन सिंह रावत की ओर से आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने ढोल-दमाऊं की थाप पर सामूहिक रूप से होली खेली।भाजपा कार्यालय में आयोजित होली मिलन कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष उदय रावत, पूर्व मंत्री दिनेश धनाई और एससी आयोग की सदस्य सुनीता देवी ने पार्टी कार्यकर्ताओं का टीका लगाकर स्वागत किया। डीएम नितिका खंडेलवाल ने भी आवास पर पहुंचे लोगों को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। एसएसपी आयुष अग्रवाल के आवास में भी होली का त्योहार भव्य रूप से मनाया गया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने डीजे की धुन पर थिरकते हुए एक-दूसरे को खुशियों का रंग लगाया। नैनबाग क्षेत्र में भी होली का त्योहार उल्लास के साथ मनाया गया। होल्यारों ने ढ़ोल-नगाड़ों की धुन पर तांदी और रांसो नृत्य किया और एक-दूसरे पर खूब रंग लगाया।नैनबाग के टटोर, पांव, कोटी, जयद्वार, नैनगांव, मरोड़ आदि गांवों में होली का पर्व स्थानीय रीति- रिवाज के साथ मनाया गया। उधर थत्यूड़ क्षेत्र के ग्राम खेड़ा, पापरा, बंगसील, मोलधार, ओतड़, और परोड़ी आदि गांवों में लोगों ने एक-दूसरे पर रंगो की बौछार की। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष अकबीर पंवार, प्रधान कुलबीर रावत, कृपाल सिंह रावत आदि मौजूद थे। लंबगांव, घनसाली, कंडीसौड़, नरेंद्रनगर, चंबा और जाखणीधार क्षेत्र में भी रंगों का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। सीएमओ डॉ. श्याम विजय ने कहा कि होली मनाने के बाद कहीं से किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है। एसएसपी आयुष अग्रवाल ने बताया कि होली का त्योहार जिलेभर में शांतिपूर्ण ढंग से मनाया मनाया।

छोटी सावधानियां भी बड़े हादसों को रोक सकती हैं

नई टिहरी(संवाददाता)। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड भागीरथीपुरम में चार से 10 मार्च तक 55वां राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ किया गया है। इसकी थीम सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं रखी गई है। बताया गया कि छोटी सावधानियां भी बड़े हादसों को रोक सकती हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टीसी) एमके सिंह ने सुरक्षा ध्वज का झंडारोहण किया। उन्होंने सभी कार्मिकों को सुरक्षा सप्ताह की शपथ दिलाई। उन्होंने सभी कार्मिकों को सुरक्षा बैच वितरित किए। उन्होंने कहा कि यह सप्ताह हमें अपने कार्यस्थल और दैनिक जीवन में सुरक्षा के महत्व को समझने और उसे अपनाने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष का विषय सुरक्षा बढ़ाने के लिए लोगों को जोड़ें, शिक्षित करें और सशक्त बनाएं, हमें यह संदेश देता है कि सुरक्षा केवल नियमों तक सीमित नहीं है बल्कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। किसी भी संस्थान की प्रगति तभी संभव है जब वहां कार्य करने वाला प्रत्येक व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित हो। राष्ट्रीय सुरक्षा सप्ताह के तहत सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए निबंध और नारा लेखन प्रतियोगिता भी कराई जाएगी। सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अग्नि सुरक्षा से कार्यस्थलों पर बचाव एवं नियंत्रण विषयक प्रशिक्षण आदि का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर अपर महाप्रबंधक (सुरक्षा) बीडी सेमवाल, अपर महाप्रबंधक (ओएंड एम) भगत सिंह, अपर महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) आनंद बाजपेई, अपर महाप्रबंधक (नियोजन) विपिन सकलानी, अपर महाप्रबंधक संजय पंवार, उप महाप्रबंधक (एचआर) मोहन सिंह श्रीस्वाल, उप महाप्रबंधक (सुरक्षा) हरीश भट्ट आदि मौजूद थे।

जर्मनी और श्रीलंका के कृषि विशेषज्ञ और शोधार्थी पहुंचे हेंवलघाटी

नई टिहरी(संवाददाता)। आईआईटी रुड़की में कृषि विज्ञान के विभाध्यक्ष प्रो. आशीष पांडेय के मार्गदर्शन में जर्मनी और श्रीलंका के कृषि विशेषज्ञ, प्रोफेसर और शोधार्थी छात्रों का एक दल बीज बचाओ आंदोलन की जानकारी लेने जड़धार गांव पहुंचा। दल के सदस्यों ने नागणी हेंवल घाटी में स्थित बीज बचाओ आंदोलन के प्रणेता विजय जड़धारी से खेत में जाकर मुलाकात की। टीम ने हेंवलघाटी के चिपको आंदोलन, खनन विरोधी आंदोलन और बीज बचाओ आंदोलन के बारे में जानकारी हासिल की। हेंवलघाटी पहुंचे जर्मनी के केल विवि की प्रो. निकोला परहर ने उत्तराखंड की पारंपरिक, टिकाऊ, जैविक और बारहनाजा की मिश्रित खेती, पशुपालन और जंगल संरक्षण के तौर-तरीकों को समझते हुए यहां के किसानों का आभार प्रकट किया। उन्होंने बताया कि दुनिया को स्वस्थ रखने और पर्यावरण पारिस्थितिकी को बचाने के इस संदेश को वह अपने देश के लोगों और छात्रों को पढ़ाएगी।

बिरही में टिटरी तोक के जंगल दो दिन से आग में जल रहे

चमोली(संवाददाता)। बिरही के जंगल दो दिन से आग से धधक रहे हैं। यहां टिटरी तोक में लगी आग अब दूरस्थ क्षेत्रों में पहुंच गई है। आग इतनी विकराल है कि काबू पाना मुश्किल हो रहा है। कई हेक्टेयर वन संपदा जल चुकी है। वहीं सोनला के समीप कोट कंडारा के चीड़ के जंगलों में आग लगी है। इधर पीपलकोटी के सांगलचाड़ा तोक के जंगलों में लगी आग दो दिन बाद वन विभाग की टीम ने बुझा ली है। जंगलों में आग लगी होने से वातावरण में गहरी धुंध छा गई है। बिरही के टिटरी तोक में चीड़ के पेड़ और सूखी घास है। बुधवार सुबह करीब नौ बजे असामाजिक तत्वों ने बिरही के जंगल में आग लगा दी। देखते ही देखते आग विकराल हो गई। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना बदरीनाथ वन प्रभाग के अधिकारियों को दी। फायर वाचर और अन्य वन कर्मी मौके पर आग बुझाने पहुंचे मगर आग की लपटें तेज होने से वे आग काबू नहीं कर पाए। गाड़ी गांव के प्रकाश सिंह, विकास और अव्वल सिंह का कहना है कि बिरही-निजमुला सड़क के ऊपरी हिस्से में आग लगने से कई हेक्टेयर भू-भाग पर वन संपदा जल गई है। इधर बदरीनाथ वन प्रभाग के डीएफओ सर्वेश दुबे का कहना है कि जंगलों में आग लगने की सूचना मिलने पर वन कर्मियों की टीम मौके पर भेजी गई है। पीपलकोटी के सांगलचाड़ा तोक में आग को बुझा लिया गया है। जल्द ही अन्य जगहों पर जंगलों की आग को काबू कर लिया जाएगा।कई हेक्टेयर जंगल जले, हाईवे पर गिर रहे पेड़: कर्णप्रयाग। कर्णप्रयाग नगर पालिका क्षेत्र के अंतर्गत जीजीआईसी के ऊपर जंगलों में लगी आग ने पूरी वन संपदा को भारी नुकसान पहुंचा है। हालांकि यहां देर रात तक वन विभाग ने आग पर काबू पा लिया। वहीं आग के कारण स्टेट हाईवे थराली देवाल मार्ग पर पेड़ और पत्थर गिरे। थराली के बदरीनाथ वन प्रभाग के अंतर्गत मध्य पिंडर रेंज में चेपड़ों और सौगांव के जंगल में लगी आग पर 12 घंटे बाद वन विभाग ने काबू पा लिया। आग चेपड़ों, खाड़ीबगड़, सौगांव जूनिधार और गोठिंडा के जंगलों तक फैल गई थी जिससे चेपड़ों गांव की गोशालाओं को खतरा बन गया था। वहीं आग की लपटें जूनिधार गांव तक पहुंच गई थीं। इस आग का असर लगभग 20 हेक्टेयर वन भूमि पर हुआ। बृहस्पतिवार तड़के सुबह तीन बजे आग पर काबू पाया गया। खड़ी चट्टान और घने चीड़ के लीसे वाले जंगलों में आग लगने से जलते हुए पेड़ और पत्थर स्टेट हाईवे थराली देवाल मार्ग पर भी गिर रहे थे जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले वाहनों और राहगीर जान जोखिम में डालकर आवाजाही करनी पड़ी। मध्य पिंडर रेंज के वन क्षेत्राधिकारी मनोज देवराड़ी का कहना है कि आग पूरी तरह बुझा दी गई है। वहीं नारायणबगड़ में वनाग्नि से जाख, कड़ाकोट, नारायणबगड़, कठालीगाड़, टेंटुड़ा, मानूर, बेड़गांव, कौब, भगोती, केवर आदि गांवों के जंगल में आग से सैकड़ों हेक्टेयर वनसंपदा नष्ट होने से वन्यजीवों का जीवन संकट में आ गया है।

महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री पर जताया आक्रोश

नई टिहरी(संवाददाता)। चंबा ब्लॉक के ग्राम पंचायत सौड़ की महिलाओं ने अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ जुलूस निकालकर आक्रोश जताया। कहा कि शराब के कारण युवा पीढ़ी का भविष्य खराब होने के साथ सामाजिक समरसता भी समाप्त हो रही है। जिला पंचायत सदस्य गीता डबराल और सौड़ के ग्राम प्रधान चंद्रवीर चंद रमोला के नेतृत्व में महिलाओं ने ठांगधार क्षेत्र में जुलूस निकाल कर अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ शासन-प्रशासन से कठोर कार्यवाही करने की मांग की। महिलाओं ने हाथों में तख्तियां लेकर मुख्य सड़क पर अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने कहा कि कई लोग दुकानों में खुले आम अवैध शराब की बिक्री करते हैं। सामाजिक कार्यकर्ता भगवान चंद रमोला ने कहा कि नशे के खिलाफ सभी को एक जुट होकर खड़े होने की जरूरत है जिस तरह से गांव-गांव शराब की बिक्री हो रही है वह चिंता का विषय है। चंबा-मसूरी फलपट्टी में बड़ी संख्या में होटल और ढाबे खुले हैं। अवैध शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के लिए स्थानीय लोगों ने थानाध्यक्ष चंबा से भी दूरभाष से बात की। शराब नहीं संस्कार अभियान के प्रणेता सुशील बहुगुणा ने महिलाओं ने शराब विरोध आंदोलन को पूर्ण समर्थन देते हुए शासन-प्रशासन से अवैध शराब का कारोबार करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही की मांग की है।

थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण से घटेगी मसूरी की दूरी

नई टिहरी(संवाददाता)। जौनपुर ब्लॉक के थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण नहीं होने से ब्लॉक मुख्यालय और आसपास क्षेत्र के लोगों को मसूरी आवाजाही करने के लिए सुवाखोली होकर 35 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण होने के बाद मसूरी के लिए ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ से 16 किलोमीटर दूरी कम हो जाएगी। ग्राम प्रधान संजय पडियाल, पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत, विनोद राणा, वीरेंद्र चंदेल, मनमोहन सजवाण, महेंद्र सजवाण ने कहा कि ब्लॉक मुख्यालय थत्यूड़ जौनपुर का केंद्र बिंदु है। थत्यूड़ और आसपास क्षेत्र के लोग लंबे समय से थत्यूड़-मसराना सड़क निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। थत्यूड़ ब्लॉक मुख्यालय के लोगों को मसूरी जाने के लिए वाया सुवाखोली होते 35 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है जबकि थत्यूड़-मसराना सड़क बन जाती है तो थत्यूड़ से मसूरी की दूरी कम हो जाएगी। सड़क निर्माण के बाद जौनपुर क्षेत्र के पर्यटक स्थल देवलसारी और नागटिब्बा जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भी बढ़ोत्तरी होगी। क्षेत्र के लोग मसूरी होते हुए देहरादून भी आसानी से पहुंच सकेंगे। समय और पैसे की बचत होगी। वहीं स्थानीय युवाओं को स्वरोजगार के नये अवसर पैदा होंगे। उन्होंने शासन-प्रशासन से थत्यूड़-मसराना आठ किलोमीटर सड़क निर्माण करने की मांग की है। कोट: थत्यूड़-मसराना के लिए सड़क निर्माण में दो से तीन किमी वन भूमि आ रही है। वन विभाग से सड़क निर्माण के लिए एनओसी लेनी आवश्यक है। एनओसी संबंधी प्रक्रिया के लिए आवेदन किया जाएगा। - राजेंद्र कुमार टम्टा, ईई, लोनिवि थत्यूड़।

बांध से मिलने वाली रॉयल्टी टिहरी के विकास कार्यों पर हो खर्च

नई टिहरी(संवाददाता)। टिहरी बांध से मिलने वाले 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी जिले के विकास कार्यों पर खर्च किए जाने के साथ बांध विस्थापितों-प्रभावितों को निशुल्क बिजली-पानी दिए जाने की मांग को लेकर धरना छटवें दिन भी जारी रहा। बौराड़ी के गणेश चौक पर धरने पर बैठक सामाजिक कार्यकर्ता सागर भंडारी और पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष गंगा भगत सिंह नेगी ने कहा कि छह दिन बीत जाने के बाद भी शासन-प्रशासन ने धरने पर बैठे लोगों की कोई सुध नहीं ली है। कहा कि निशुल्क बिजली-पानी बांध विस्थापितों और प्रभावितों का अधिकार है। हनुमंतराव कमेटी की सिफारिश में बांध विस्थापित और प्रभावितों को निशुल्क बिजली-पानी देने का उल्लेख है। टिहरी बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रॉयल्टी को टिहरी जिले में शिक्षा,स्वास्थ्य, रोजगार आदि पर खर्चा किया जाना था लेकिन प्रदेश सरकार और टीएचडीसी रॉयल्टी को अन्य प्रदेशों में खर्चा कर रही है जिनका बांध में कोई योगदान नहीं है।

गेंवाली में ग्रामीणों की भूख हड़ताल से फीका रहा होली का त्योहार

नई टिहरी(संवाददाता)। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत क्षेत्र के ग्राम पंचायत गेंवाली में आपदा से क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों की मरम्मत करने, पुल बनाने और मोबाइल टावर लगाने आदि की मांग को लेकर ग्रामीणों की भूख हड़ताल 14वें दिन भी जारी रही। उन्होंने कहा कि जिलाधिकारी खुद गेंवाली आकर समस्याओं का आकलन करें। गांव में भूख हड़ताल के चलते होली का त्योहार भी फीका रहा। गेंवाली गांव में आपदा से भारी नुकसान हुआ है। जबकि ग्रामीणों को अन्य कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गांव के लोग आपदा से क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत करने, लंबे समय से अधर में लटका पुल का निर्माण कार्य जल्द पूरा करने, कनेक्टिविटी के लिए मोबाइल टावर लगाने, आपदा प्रभावित 12 परिवारों का पुनर्वास करने और आपदा से क्षतिग्रस्त जूनियर हाईस्कूल भवन की मरम्मत करने की मांग को लेकर गांव के पूर्व प्रधान बचन सिंह रावत 20 फरवरी से आमरण अनशन पर हैं।

अमृत 2.0 के अंतर्गत जल संरक्षण व पुनर्भरण की परियोजनाओं को मंजूरी

- अमृत 1.0 के अंतर्गत स्वीकृत विभिन्न योजनाओं में हुई कुल बचत से रुद्रपुर व काशीपुर में स्मार्ट जल प्रबंधन को बढ़ावा

देहरादून(संवाददाता)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में ।डत्न्ज 2.0 के अंतर्गत गठित हाई पावर कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में शहरी क्षेत्रों में जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा भू-जल पुनर्भरण को सुदृढ़ बनाने से संबंधित विभिन्न योजनाओं पर विचार-विमर्श करते हुए उन्हें अनुमोदन प्रदान किया गया। बैठक में लघु सिंचाई विभाग, नैनीताल की योजनाओं के अंतर्गत हल्द्वानी व नैनीताल क्षेत्र में जल पुनर्भरण संरचनाओं के विकास तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण से संबंधित कार्यों को स्वीकृति दी गई। इनमें हरिहर कॉलोनी हल्द्वानी, विश्वविद्यालय हल्द्वानी, उषा रूपक कॉलोनी नैनीताल तथा सुदर्शन कॉलोनी हल्द्वानी में जल पुनर्भरण के विकास एवं पार्कों के सौंदर्यीकरण के कार्य शामिल हैं।इसी प्रकार लघु सिंचाई विभाग, हरिद्वार की योजनाओं के अंतर्गत बहादराबाद में वर्षा जल संचयन के तहत रिचार्ज शाफ्ट की स्थापना, रामध ाम कॉलोनी पार्क शिवालिक नगर में

संचयनित जल से भू-जल पुनर्भरण हेतु रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण तथा राजलोक कॉलोनी पार्क नगर निगम हरिद्वार में भू-जल रिचार्ज से संबंधित परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई।बैठक में नगर पंचायत इमलीखेड़ा (हरिद्वार) द्वारा रांगड़वाला में स्थित तालाब के रेनोवेशन की योजना को भी मंजूरी दी गई।इसके अतिरिक्त लघु सिंचाई विभाग, देहरादून की योजनाओं के अंतर्गत नवादा क्षेत्र में तालाब के नवीनीकरण एवं रिचार्ज शाफ्ट निर्माण तथा डिफेंस कॉलोनी क्षेत्र में रिचार्ज शाफ्ट निर्माण के कार्यों को स्वीकृति प्रदान की गई।बैठक में ।डत्न्ज 1.0 के अंतर्गत पूर्व में स्वीकृत परियोजनाओं में हुई लगभग 39.82 करोड़ की बचत के उपयोग पर भी निर्णय लिया गया। इस राशि के माध्यम से रुद्रपुर तथा काशीपुर नगर क्षेत्रों में वाटर मीटर अधिष्ठापन से संबंधि त प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की गई, जिससे शहरी जल प्रबंधन प्रणाली को अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाया जा सकेगा।मुख्य सचिव ने कहा कि इन योजनाओं के क्रियान्वयन से वर्षा जल संचयन को बढ़ावा मिलेगा, भू-जल स्तर में सुधार होगा तथा शहरी क्षेत्रों में जल संसाधनों के संरक्षण और प्रबंधन को नई मजबूती मिलेगी। उन्होंने संबंधित विभागों को सभी परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए।बैठक में सचिव नितेश झा, वी षणमुगम, युगल किशोर पंत सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिवस पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने किया पौधरोपण

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने आज केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के जन्मदिवस के अवसर पर उनके 'प्रतिदिन एक पौधरोपण' के संकल्प के क्रम में अपने शासकीय आवास पर पौधरोपण किया। इस अवसर पर कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान को जन्मदिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, दीर्घायु और सफल जीवन की कामना की। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि शिवराज सिंह चौहान के कुशल नेतृत्व में देश के किसानों और ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसेवा के प्रति शिवराज सिंह चौहान का समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और संवेदनशीलता हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है।

17 लाख से अधिक लाभार्थियों ने उठाया आयुष्मान योजना का लाभः डॉ० धन सिंह रावत

- योजना के तहत निःशुल्क उपचार पर खर्च हो चुके हैं 3300 करोड़
- वय वंदना योजना के तहत 25 हजार वरिष्ठ नागरिकों बने कार्ड

देहरादून(संवाददाता)।सूबे में आयुष्मान योजना के अंतर्गत अबतक 17 लाख से अधिक मरीजों का मुफ्त इलाज किया जा चुका है। जिस पर राज्य सरकार द्वारा 3300 करोड़ रूपये से अधिक की धनराशि खर्च की जा चुकी है। प्रधानमंत्री वय वंदना योजना के तहत राज्य में 25 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के कार्ड बनाये गये हैं। उक्त योजना के तहत 11000 से अधिक वरिष्ठ नागरिकों द्वारा मुफ्त उपचार का लाभ उठाया गया है। सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ० धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि आम लोगों के स्वास्थ्य को लेकर राज्य सरकार संजीदा है। उन्होंने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं की आसान उपलब्धता के कारण अधिक से अधिक लोग विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ उठा रहे हैं। यही वजह है कि राज्य में अबतक 17 लाख से अधिक मरीजों ने आयुष्मान योजना के तहत निःशुल्क उपचार कराया है, जिस पर सरकार ने 3300 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च कर दी है। उन्होंने बताया कि अल्मोड़ा जनपद में 57862 लाभार्थियों ने योजना के तहत मुफ्त उपचार कराया। इसी प्रकार बागेश्वर में 25133, चमोली 66005, चम्पावत 33274, देहरादून 418295, हरिद्वार 321509, नैनीताल 159242, पौड़ी 130701, पिथौरागढ़ 58786, रूद्रप्रयाग 39989, टिहरी 99191, ऊधमसिंह नगर 281995 तथा उत्तरकाशी में 55882 लाभार्थियों ने निःशुल्क उपचार कराया। डॉ० रावत ने बताया कि आयुष्मान योजना के अलावा राज्य व स्वायतशासी निकायों के कार्मिकों व पेंशनरों के लिये राज्य सरकार स्वास्थ्य योजना संचालित की जा रही है। जिसके अंतर्गत 4 लाख से अधिक लाभार्थियों ने कैशलेस उपचार का लाभ उठाया है। जिसमें 1.73 लाख लोगों ने आईपीडी व 2.31 लाख लोगों ने ओपीडी की कैशलेस सुविधाएं ली। उन्होंने बताया कि इस सुविधा पर सरकार द्वारा 641 करोड़ की धनराशि खर्च की जा चुकी है। विभागीय मंत्री ने बताया कि आयुष्मान योजना के तहत राज्य में 57 लाख जबकि एसजीएचएस के तहत 5 लाख से अधिक कार्ड बनाये जा चुके हैं। इसके अलावा 70 वर्ष या उससे अधिक आयु वर्ग के 25 हजार से अधिक वरिष्ठ नागरिकों के वय वंदना योजना के तहत कार्ड बनाये गये हैं।

संक्षिप्त समाचार...

प्रसिद्ध लोकगायिका रिंकू राणा की सड़क दुर्घटना में मृत्यु ,सीएम ने किया दुःख व्यक्त

देहरादून(संवाददाता)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने थारू जनजाति की प्रसिद्ध लोकगायिका रिंकू राणा की सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन होने पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने अपने शोक सन्देश में कहा कि लोकसंस्कृति और लोकसंगीत के संरक्षण में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। लोकगायिका रिंकू राणा ने अपने गीतों के माध्यम से थारू समाज की समृद्ध परंपराओं और संस्कृति को व्यापक पहचान दिलाई है। मुख्यमंत्री ने पुण्यात्मा को श्रीचरणों में स्थान देने तथा शोकाकुल परिजनों एवं उनके प्रशंसकों को यह अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

सिडकुल में सड़क हादसे के बाद युवक की मौत

हरिद्वार(संवाददाता)। सिडकुल थाना क्षेत्र में हैवल्स कंपनी के पास हुए सड़क हादसे में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। थाना प्रभारी नितेश शर्मा के अनुसार, बुधवार को हैवल्स कंपनी के पास एक तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को टक्कर मारी और चालक मौके से फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल बाइक सवार युवक को 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाया गया। जिला अस्पताल में इलाज के बाद युवक को एम्स रेफर कर दिया गया। बताया गया कि एम्स ले जाते समय रास्ते में ही युवक ने दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान सुमन (23) पुत्र रामलाल निवासी कटनी लैंसडौन पौड़ी के रूप में हुई। एसओ नितेश शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

प्रशासन ने होमस्टे पर सख्ती शुरू कर दी

नैनीताल (संवाददाता)। /पर्यटकों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिले में बड़ी संख्या में होटल, रिजॉर्ट और होमस्टे संचालित हो रहे हैं। लेकिन अब प्रशासन ने उन होमस्टे पर सख्ती शुरू कर दी है जो बिना जरूरी दस्तावेजों और नियमों का पालन किए संचालित हो रहे थे।पर्यटन विकास विभाग की जांच में कई होमस्टे में अनियमितताएं सामने आने के बाद बड़ी कार्रवाई की गई है। विभाग ने जनपद के 31 होमस्टे का पंजीकरण निरस्त कर दिया है। साथ ही स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि बिना पंजीकरण के होमस्टे संचालित पाए गए तो उन्हें सील कर दिया जाएगा। नैनीताल के डीएम ललित मोहन रयाल ने बताया कि नैनीताल, रामनगर, रामगढ़, मुक्तेश्वर और भीमताल क्षेत्र में संचालित कई होमस्टे की जांच की गई। जांच के दौरान कई संचालकों के पास जरूरी दस्तावेज पूरे नहीं मिले और कई जगह नियमों की अनदेखी भी पाई गई। कुछ होमस्टे का उपयोग व्यावसायिक गतिविधि यों के लिए किया जा रहा था, जो नियमों के खिलाफ है।जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने कहा कि पर्यटन विभाग आगे भी ऐसे होमस्टे की जांच जारी रखेगा। यदि कोई भी होमस्टे बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित होता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उसे सील किया जाएगा।

एसएसपी आवास पर हर्षोल्लास के साथ मनाई गई होली

अल्मोड़ा(संवाददाता)। बुधवार को रंगों के पर्व होली के अवसर पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के आवास पर पुलिस अधिकारियों और जवानों के साथ उत्साह और हर्षोल्लास के साथ होली मनाई गई। इस दौरान अधिकारियों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर पर्व की शुभकामनाएं दीं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने अधिकारियों और जवानों को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी और उनके साथ आत्मीयता से रंगों का उत्सव मनाया। उन्होंने कहा कि पर्वों के दौरान भी पुलिस कर्मी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए जनपद में शांति और सौहार्द बनाए रखने के लिए लगातार ड्यूटी करते हैं, जो सराहनीय है। कार्यक्रम में जिलाधिकारी अंशुल सिंह भी मौजूद रहे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके ने जिलाधिकारी अंशुल सिंह को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं। वहीं जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने भी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को होली की बधाई दी। इस अवसर पर पारंपरिक होली गीतों की धुनों के बीच जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जवानों के साथ उत्सव का आनंद लिया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में उमंग और उल्लास के साथ रंगों का यह पर्व मनाया गया।

सड़क दुर्घटना में थारू जनजाति की प्रसिद्ध लोक गायिका रिंकू राणा का निधन

उधम सिंह नगर (संवाददाता)। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जनपद से एक दुखद खबर सामने आई है। सड़क दुर्घटना में थारू जनजाति की प्रसिद्ध लोक गायिका रिंकू राणा का निधन हो गया। इस घटना से उनके परिवार के साथ-साथ पूरे थारू समाज और लोक कला से जुड़े लोगों में गहरा शोक व्याप्त है।प्राप्त जानकारी के अनुसार रिंकू

राणा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम नौगजा की निवासी थीं। वह होली का त्योहार मनाने के लिए अपने मायके गई हुई थीं। इसी दौरान नानकमत्ता क्षेत्र के बिचपुरी के पास उनकी स्कूटी को ईंटों से भरी एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि हादसे में रिंकू राणा और उनकी भतीजी गंभीर रूप से घायल हो गई।स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने रिंकू राणा को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनकी भतीजी का इलाज अस्पताल में चल रहा है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमॉर्टम के लिए खटीमा उप जिला अस्पताल भेज दिया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।बताया जा रहा है कि रिंकू राणा की ससुराल खटीमा में थी। वह थारू जनजाति के लोक कलाकार बंटी राणा के सांस्कृतिक दल के साथ विभिन्न राज्य स्तरीय कार्यक्रमों में लोक गायन की प्रस्तुति देती थीं। अपनी मधुर आवाज और लोक संस्कृति के प्रति समर्पण के कारण उन्होंने क्षेत्र में एक अलग पहचान बनाई थी। उनके परिवार में एक बेटा भी है।

होली का पर्व हर्षोउल्लास व शांतिपूर्ण तरीके से मनाया

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में होली का पर्व हर्षोउल्लास व शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। मंगलचार को चन्द्रग्रहण के चलते हुये अधिकांश स्थानो पर होलिका दहन सुबह में ही कर दिया गया जबकि मोहल्ला बंबाघेर स्थित बाल्मीकि बस्ती व अन्य कुछ स्थानों में होलिका दहन रात्रि 9 बजे किया गया व अगले दिन बुधवार को रंग खेला गया। होलियारों ने अबीर व गुलाल लगाकर एक दूसरे को होली की बधाई दी व डीजे पर होली के गीतों पर जमकर थिरके।वहीं विधायक दीवान सिंह बिष्ट,ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी,ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी,भाजपा नेता इंदर सिंह रावत, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रेखा रावत, भाजपा,भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, भाजपा

नेता शिशुपाल सिंह रावत, भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती, कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष भगीरथ लाल चौधरी, पूर्व पालिकाध्यक्ष उर्मिला चौधरी,भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल, भाजपा नेत्री आशा बिष्ट संजय बिष्ट आदि लोगों ने अपने अपने घरों पर परिजनों और समर्थकों के साथ होली मनाई।कौमी एकता की मिसाल कायम करते हुए शहर जामा मस्जिद में जोहर की नमाज दोपहर एक बजे की जगह 2 बजे अता की गई। इस मौके पर सीओ सुमित पांडे, कोतवाल सुशील कुमार के नेतृत्व में पुलिस की चाक चौबंद व्यवस्था बनी रही और नगर क्षेत्र के अलावा कोतवाली अंतर्गत गर्जिया, मालधन, छोई, पिरुमदारा चोकी क्षेत्रो में होली का पर्व उल्लास के साथ शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया।

हाथी के बच्चे का शव तैरता हुआ मिला

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर वन प्रभाग के अपर कोसी बीट रिंगोड़ा क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया जब कोसी नदी में एक महीने के हाथी के बच्चे का शव तैरता हुआ मिला,सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए रामनगर लाया गया,प्रारंभिक जांच में हाथी के बच्चे के शरीर पर टाइगर के पंजों के निशान पाए गए हैं।जिससे वन विभाग टाइगर के हमले की आशंका जता रहा है.रामनगर वन प्रभाग के अंतर्गत पड़ने वाले अपर कोसी बीट रिंगोड़ा क्षेत्र में कोसी नदी में एक महीने के हाथी के बच्चे का शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों द्वारा नदी में शव तैरते हुए देखे जाने के बाद इसकी सूचना तुरंत वन विभाग को दी गई,सूचना मिलते ही कोसी रेंज के रेंजर शेखर तिवारी वनकर्मियों की टीम के साथ मौके पर पहुंचे, टीम ने नदी से हाथी के बच्चे के शव को बाहर निकाला और उसे जांच के लिए रामनगर लाया गया,रामनगर वन प्रभाग के एसडीओ अंकित बडोला ने जानकारी देते हुए बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि रिंगोड़ा क्षेत्र के अपर कोसी बीट में कोसी नदी में एक हाथी के बच्चे का शव तैर रहा है, सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया,उन्होंने बताया कि मृत हाथी के बच्चे की उम्र लगभग एक महीने के आसपास आंकी जा रही है,प्रारंभिक जांच में उसके शरीर पर टाइगर के पंजों के स्पष्ट घाव दिखाई दे रहे हैं, इससे संभावना जताई जा रही है कि टाइगर के हमले में हाथी के इस शिशु की मौत हुई होगी।वन विभाग के अधिकारियों के अनुसार जंगल में कई बार टाइगर और हाथियों के बीच आमना-सामना हो जाता है। हालांकि हाथियों का झुंड आमतौर पर अपने बच्चों की सुरक्षा करता है, लेकिन किसी कारणवश यह बच्चा झुंड से अलग हो गया होगा और टाइगर का शिकार बन गया। फिलहाल हाथी के बच्चे के शव का पोस्टमार्टम किया गया।यह पोस्टमार्टम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के वरिष्ठ पशु चिकित्साधिकारी डॉक्टर दुष्यंत शर्मा द्वारा वन विभाग की टीम के साथ किया गया है।

पत्रकार अरबाज खान के पिता के निधन पर शोक व्यक्त किया

रामनगर (संवाददाता)। इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार मो. अरबाज खान के 63 वर्षीय पिता इंतजार हुसैन के आकस्मिक

निधन पर मीडियाकर्मियों व राजनीतिज्ञों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुऐ दिवंगत की मगफिरत के लिये दुआ की है। इस दौरान शोक व्यक्त करने वालो में वरिष्ठ पत्रकार हरीश भट्ट,विनोद पपनै,डॉ. जफर सैफी, गणेश रावत, राजीव अग्रवाल,, त्रिलोक रावत, जीवन कुमार, राजू वर्मा, अजीत प्रताप गोस्वामी, नाजिम सलमान, जुगेश अरोड़ा बंटी, चन्द्रसैन कश्यप, सलीम मलिक, आसिफ इकबाल, रोहित गोस्वामी, गिरीश पांडे, चन्द्रशेखर जोशी, नितेश जोशी, कैलाश सुयाल, नदीम वारसी, मौ. कैफ खान, विक्की कश्यप, खुशाल रावत, गोविंद पाटनी, अमित बेलबाल, दानिश खान, मौ. उस्मान, नसीम खान राजा, रागिब खान, नसीम खान राजा, नवीन पोखरियाल, गणेश गगन, रोहित भट्ट, सिद्धार्थ पपनै,शब्बू खान, फरीद कुरैशी, असलम सिद्दीकी, रूबीना सैफी, विमला अधिकारी, कार्तिक बिष्ट, नावेद सैफी,चंचल गोला आदि मीडियाकर्मियों सहित विधायक दीवान सिंह बिष्ट, पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत, पालिकाध्यक्ष हाजी अकरम, ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी, भाजपा नेता इंदर रावत, रेखा रावत, भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल,पूर्व पालिकाध्यक्ष भगीरथ लाल चौधरी, पूर्व राज्य मंत्री अमिता लोहनी,पूर्व राज्यमंत्री पुष्कर दुर्गापाल,कांग्रेस नेता भुवन पाण्डे,भाजपा नेता शिशुपाल सिंह रावत, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत,युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट फैजुल हक,कांग्रेस नगर अध्यक्ष भुवन शर्मा,कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत, भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमित लोहनी, छात्रसंघ अध्यक्ष किशन सिंह,छात्रसंघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे,पूर्व सभासद भुवन डंगवाल, पूर्व सभासद मोहम्मद मुजाहिद,युवा कांग्रेस नेता अभिमन्यु डंगवाल, प्रधान हज्जन नरगिस,प्रधान प्रतिनिधि हाजी शकील अहमद अंसारी,भाजपा नेता अनवर मलिक,राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी, सभासद शमीम अहमद, सभासद तनुज दुर्गापाल, समाजसेवी आलोक गुसाई,भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश मंत्री अजीज खान,भाजपा जिला अध्यक्ष अल्पसंख्यक मोर्चा सैयद अली नकवी,युवा कांग्रेस नेता चांद खान,भाजपा नेता विपिन कांडपाल, भाजपा नेता नदीम अख्तर,कांग्रेस नेता ताईफ खान,भाजपा नेत्री आशा बिष्ट, संजय बिष्ट भावना भट्ट आदि लोगों ने शोक व्यक्त किया है।

त्योहारी सीजन में सघन वाहन चेकिंग, नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

अल्मोड़ा (संवाददाता)। होली पर्व के बाद पहाड़ी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोगों के अपने-अपने कार्यस्थलों की ओर लौटने

को देखते हुए जिले में पुलिस ने सघन वाहन चेकिंग अभियान शुरू कर दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक चंद्रशेखर घोडके के निर्देश पर यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के अनुसार पर्व के बाद सड़कों पर वाहनों की संख्या बढ़ने के साथ ही कई जगहों पर वाहनों में क्षमता से अधिक सवारियां बैठाने की शिकायतें सामने आती हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इसे देखते हुए जिले के सभी प्रभारी निरीक्षकों और थानाध्यक्षों को सघन चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के दौरान यातायात निरीक्षक और इंटरसेप्टर टीम भी सक्रिय रूप से चेकिंग कर रही है। चेकिंग के दौरान वाहन चालकों और परिचालकों को सख्त हिदायत दी जा रही है कि वाहन में निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाई जाएं और ओवरस्पीड या नशे की हालत में वाहन न चलाया जाए। साथ ही यात्रियों को भी जागरूक किया जा रहा है कि यदि कोई चालक वाहन में ओवरलोडिंग करता है या नशे की हालत में वाहन चलाता दिखाई दे तो तुरंत डायल 112 पर इसकी सूचना दें। पुलिस ने बताया कि अभियान के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के तहत चालानी कार्रवाई भी की गई है।

तिरंगा थीम की स्ट्रीट लाइट से जगमगाएगी मॉल रोड

अल्मोड़ा(संवाददाता)। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में अब रात के समय सड़कों पर तिरंगे के रंगों की रोशनी दिखाई देगी। नगर निगम ने शहर की सुंदरता बढ़ाने और पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से तिरंगा थीम की स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना शुरू की है। योजना के तहत नगर की प्रमुख सड़कों पर कुल 700 तिरंगा स्ट्रीट लाइट स्थापित की जाएंगी। नगर निगम के अनुसार पहले चरण में माल रोड पर करबला से पांडेखोला तक करीब पांच लाख रुपये की लागत से 200 तिरंगा स्ट्रीट लाइट लगाई जाएंगी। इसके बाद अन्य मुख्य सड़कों पर भी चरणबद्ध तरीके से लाइटें स्थापित की जाएंगी। इन लाइटों के लगने से शहर की सड़कें रात के समय तिरंगे के रंगों से रोशन दिखाई देंगी, जिससे पर्यटकों को भी आकर्षित करने की उम्मीद है। नगर निगम के अधिकारियों के मुताबिक एक तिरंगा स्ट्रीट लाइट की कीमत लगभग 2,500 रुपये है। लाइट लगाने का कार्य संबंधित कंपनी की ओर से चिह्नित स्थानों पर किया जाएगा। प्रत्येक स्ट्रीट लाइट पर दो वर्ष की वारंटी होगी। इस अवधि के दौरान यदि कोई लाइट खराब होती है तो उसे बदलने की जिम्मेदारी कंपनी की होगी। सहायक नगर आयुक्त लक्ष्मण सिंह ने बताया कि नगर की मुख्य सड़कों पर 700 तिरंगा स्ट्रीट लाइट लगाने की योजना बनाई गई है।

मैं फेल हो सकती हूं, मगर हार नहीं मानूंगी : पायल राजपूत

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती एक्ट्रेस पायल राजपूत ने अपनी मेहनत और संघर्ष की कहानी के साथ अपने मजबूत इरादे को जाहिर किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह कभी हार नहीं मानेंगी। पायल ने स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वे दृढ़ हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं, और मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे ऐसा करना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों में की गई कड़ी मेहनत के बारे में सोचती हूं। इसलिए मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी। नेपोटिज्म जैसे गंभीर मुद्दों पर पायल अक्सर अपने राय रखती रहती हैं। इससे पहले भी उन्होंने विचार व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया और फिल्म इंडस्ट्री में भाई-भतीजावाद और फेवरेटिज्म पर खुलकर बात की थी। उन्होंने लिखा था कि एक्टर बनना सबसे मुश्किल करियर में से एक है। हर दिन अनिश्चितता के साथ शुरू होता है, जहां टैलेंट से ज्यादा विशेषाधिकार और कनेक्शन हावी हो जाते हैं।पायल ने बताया था कि कई बार उन्हें शक होता है कि उनकी मेहनत और लगन ऐसी दुनिया में नोटिस होगी भी या नहीं। मौके अक्सर मशहूर सरनेम या पावरफुल एजेंट वाले लोगों के पास चले जाते हैं। फिर भी उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और टैलेंट पर भरोसा रखा।फिलहाल पायल कई प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। वह तेलुगू फिल्म वेंकटलक्ष्मी में नजर आने वाली हैं, जिसे मशहूर डायरेक्टर मुनि बना रहे हैं। मेकर्स इस फिल्म को तेलुगू, तमिल और हिंदी में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इसके अलावा, पायल के पास एक और तमिल फिल्म है। अनटाइटल्ड फिल्म एक बड़े बजट का प्रोजेक्ट है, जिसे जाने-माने डायरेक्टर आर.एस. दुरई सेंथिलकुमार डायरेक्ट कर रहे हैं।शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है। जानकारी के अनुसार यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा है। संगीत जिब्रान दे रहे हैं, सिनेमैटोग्राफी एस. वेंकटेश की है, एडिटिंग प्रदीप कर रहे हैं और आर्ट डायरेक्शन दुरईराज संभाल रहे हैं।

धुरंधर: द रिवेंज टीजर रिलीज, ये नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी, रणवीर सिंह का दिखा रहमान डकैत अंदाज

रणवीर सिंह और आदित्य धर की एक्टर-डायरेक्टर की जोड़ी की पहली हिट फिल्म धुरंधर की कामयाबी के बाद फिल्म के दूसरे पार्ट धुरंधर: द रिवेंज का सभी को बेसब्री से इंतजार है. धुरंधर: द रिवेंज का टीजर रिलीज हो गया है. धुरंधर: द रिवेंज के टीजर ने बता दिया है कि धुरंधर की तरह धुरंधर: द रिवेंज भी बॉक्स ऑफिस बवाल मचाने वाली है. बीती 5 दिसंबर 2025 को रिलीज हुई फिल्म धुरंधर ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 1300 करोड़ रुपये से ज्यादा का कारोबार किया था. अब धुरंधर: द रिवेंज बॉक्स ऑफिस पर क्या कमाल करेगी इसका इंतजार रहेगा. इससे पहले देखते हैं धुरंधर: द रिवेंज का दमदार टीजर.

धुरंधर: द रिवेंज के टीजर ने दर्शकों के हिलाकर रखने के काम किया है. धुरंधर: द रिवेंज के टीजर ने बताया है कि बॉक्स ऑफिस पर उसके सामने कोई भी फिल्म आ जाए, वह अपनी जीत सुनिश्चित करके रहेगी. धुरंधर: द रिवेंज का टीजर 1.12 मिनट का है, जिसमें रणवीर सिंह मारकाट और गोलीबारी करते दिख रहे हैं. इसमें रणवीर सिंह दो किरदारों में एक मिशन पूरा करते दिख रहे हैं. टीजर में रहमान डकैत भी दिख रहा है. वहीं, इस टीजर को शेयर कर मेकर्स ने लिखा है, यह नया हिंदुस्तान है, घर में घुसेगा भी और मारेगा भी.धुरंधर: द रिवेंज की रिलीज का इंतजार ज्यादा लंबा नहीं है. फिल्म अगले महीने मार्च की 19 तारीख को रिलीज हो रही है. आदित्य धर के निर्देशन में बनी फिल्म में रणवीर सिंह के साथ-साथ संजय दत्त, अर्जुन रामपाल और आर माधवन एक बार फिर नजर आएंगे. वहीं, पार्ट 1 में मर चुके रहमान डकैत (अक्षय खन्ना) का फ्लैश बैक नजर आने वाला है. दर्शक अब पाकिस्तान के लयारी में हमजा अली (रणवीर सिंह) का दबदबा देखने जा रहे हैं.बता दें, 19 मार्च 2026 को इंडिया ही नहीं बल्कि वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर साल 2026 का अब तक का सबसे बड़ा क्लैश देखने को मिलेगा. दोनों ही फिल्म के मेकर्स ने पीछे ना हटने की कसम खा ली है. लेकिन इससे दोनों ही फिल्मों की कमाई पर बहुत बुरा असर जरूर पड़ने वाला है. क्योंकि धुरंधर की ऑडियंस तैयार बैठी है और इधर यश पूरे चार साल बाद कोई फिल्म ला रहे हैं. ऐसे में दोनों ही फिल्मों दर्शकों के लिए जरूरी हो गयी हैं.

अनिल कपूर ने मिलाया जूनियर एनटीआर से हाथ, दुनिया देखेगी 2 धुरंधरों का कमाल

बॉलीवुड में अनिल कपूर और साउथ में जूनियर एनटीआर का जलवा किसी से छिपा नहीं है। दोनों सितारे साथ में फिल्म करने वाले हैं, इस खबर

ने अभी से लोगों की खुशी सातवें आसमान पर पहुंचा दी है। वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अनिल और एनटीआर एक फिल्म में नजर आएंगे। दोनों को वॉर 2 में देखा गया था। बड़ी खबर है कि एनटीआर की बहुप्रतीक्षित पैन इंडिया फिल्म ड्रैगन में, अनिल शामिल हो गए हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, ड्रैगन की शूटिंग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही है जिसमें अफ्रीका और अन्य विदेशी शहर शामिल हैं। अनिल के फिल्म से जुड़ने और शुरुआती कास्टिंग से पता चला है कि अन्य भारतीय कलाकार भी इस परियोजना का हिस्सा बन सकते हैं। हालांकि, निर्माता अभी भी स्क्रिप्ट को आखिरी प्रारूप देने में लगे हैं। निर्देशन की जिम्मेदारी प्रशांत नील ने संभाली है जो पूर्व में, सालार और केजीएफ फ्रैंचाइजी बनाकर दिल जीत चुके हैं।रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि ड्रैगन में अनिल को खलनायक या सहायक किरदार के रूप में देखा जा सकता है। फिलहाल तो उनकी और एनटीआर की फिल्म में एक साथ उपस्थित ने लोगों की उम्मीदों को बढ़ा दिया है। यह एक पैन इंडिया फिल्म होने वाली है जिसे कई भाषाओं के साथ दुनियाभर में रिलीज किया जाएगा। हालांकि निर्माताओं की तरफ से आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान होना बाकी है।

पेचिदा मर्डर मिस्ट्री सुलझाते नजर आएंगे मोना सिंह-बरुण सोबती, रिलीज हुआ कोहरा 2 का जबरदस्त ट्रेलर

नेटफ्लिक्स की क्रिटिक्स द्वारा सराहे गए इन्वेस्टिगेटिव क्राइम ड्रामा, 'कोहरा' का दूसरा सीजन अब कमबैक कर रहा है. पुलिस के किरदारों में बरुण सोबती और मोना सिंह एक सनसनीखेज मर्डर मिस्ट्री को सॉल्व करते नजर आएंगे. फिलहाल मेकर्स ने कोहरा 2 का ट्रेलर रिलीज किया है जो जबरदस्त है. ट्रेलर देखने के बाद फैंस सीरीज की रिलीज का इंतजार नही कर पा रहे हैं.पहले सीजन की सक्सेस के बाद, कोहरा सीजन 2 को लेकर एक्साइटमेंट भी कई गुना बढ़ गई है. वहीं मेकर्स ने इसका धांसू ट्रेलर जारी कर दिया है. 2 मिनट 13 सेकंड का यह क्लिप सब-इंस्पेक्टर धनवंत कौर (मोना सिंह स्टारर) को यह बताए जाने के साथ शुरू होता है कि वह एक नए केस की जांच कर रही हैं. वह अपने साथी, पुलिस के असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर अमरपाल जसजीत गरूंडी (बरुण सोबती द्वारा अभिनीत) को प्रीत बाजवा के मर्डर वाली जगह पर ले जाती हैं, बिना रुके, पुलिस केस की जांच शुरू करती है, पहले प्रीत के भाई से पूछताछ करती हैजैसे-जैसे दोनों अधिकारी मामले की गहराई में जाते हैं, जांच न केवल शहर के रहस्यों को उजागर करना शुरू कर देती है, बल्कि उनकी अपनी पर्सनल कमजोरियों का भी खुलासा करती जाती है. जैसे-जैसे आधिकारिक प्रक्रियाएं आगे बढ़ती हैं, संदिग्धों की सूची लगातार बढ़ती जाती है, जिसमें पीड़ित का पति भी शामिल है, जिसे रणविजय सिंघा ने निभाया है, जबकि उसका भाई, जिसका किरदार अनुराग अरोड़ा ने निभाया है, खुद को मामले में और गहराई से फंसा हुआ पाता है. ओवरॉल ट्रेलर देखने के बाद कोहरा का सीजन 2 काफी जबरदस्त लग रहा है.कोहरा सीजन 2 नेटफ्लिक्स पर 11 फरवरी को प्रीमियर होने वाला है. यह सीरीज एक्ट थ्री के साथ मिलकर ए फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है, जिसमें सौरभ मल्होत्रा, सुदीप शर्मा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी प्रोड्यूसर हैं. डायरेक्शन का काम सुदीप शर्मा और फैसल रहमान ने संभाला है, जबकि यह सीरीज गुंजित चोपड़ा, डिग्गी सिसोदिया और सुदीप शर्मा ने बनाई और लिखी है. मोना सिंह और बरुण सोबती के साथ, कास्ट में रणविजय सिंघा, पूजा भमर्रा, अनुराग अरोड़ा और प्रेरक मेहता भी शामिल हैं।

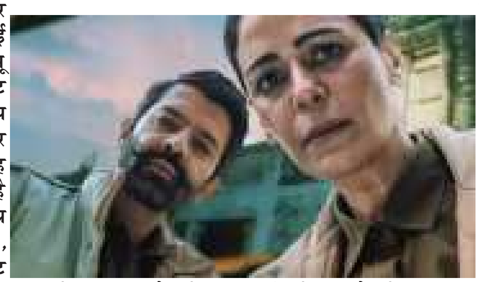

हिन्दी दैनिक जोखिम

2024-25 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 3,81,889 करोड़ का रहा

-2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में आया डेढ़ गुना से ज्यादा का उछाल

-वर्ष 2024 -25 में प्रति व्यक्ति आय बढ़कर हुई 2,73,921

-राज्य में वर्ष एमएसएमई की कुल संख्या बढ़कर हुई 79394

-वर्ष 2017 तक स्टार्टअप की संख्या थी शून्य, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 1750 हो गई है।

-2026-27 के लिए राज्य की जीएसडीपी 8.2 प्रतिशत रहने का है अनुमान

देहरादून(संवाददाता)। प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम ने गुरुवार को सचिवालय स्थित मीडिया सेंटर में आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के बारे में बताया कि वर्ष 2024-25 में राज्य की सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) ₹ 3,81,889 करोड़ रहा, जो वर्ष 2021-22 में 2.54 लाख करोड़ रुपए थी। 2021-22 के मुकाबले जीएसडीपी में डेढ़ गुना से ज्यादा का उछाल आया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में राज्य में प्रति व्यक्ति आय 194670 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 2,73,921 हो गई। प्रमुख सचिव ने बताया कि इस वर्ष यह सर्वेक्षण नेशनल कांउसिल ऑफ एप्लाइड इकोनॉमिक रिसर्च (एनसीएईआर) के साथ मिलकर तैयार किया गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि वर्ष 2024-25 में ग्रोथ रेट 7.23 प्रतिशत रहा है। मल्टी डायमेंशनल पॉवर्टी इंडेक्स वर्ष 2021-22 में 9.7 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में घटकर 6.92 प्रतिशत पर आ गया है। लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन रेट वर्ष 2021-22 में 60.1 प्रतिशत था, वर्ष 2024-25 में 64.4 प्रतिशत है तथा यह रोजगार के क्षेत्र में 4.3 प्रतिशत की बढोत्तरी को दर्शाता है। उन्होंने बताया ह्यूमन डेवलपमेंट इंडेक्स वर्ष 2001 में 0.247, वर्ष 2017 में 0.684, वर्ष 2021-22 में 0.718 जो अब बढ़कर वर्ष 2024-25 में 0.722 हो गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) की कुल संख्या 59798 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 79394 हो गई है। उन्होंने एमएसएमई के अंतर्गत रोजगार पाने वालों की संख्या वर्ष 2022 में 343922 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 456605 हो गई है। राज्य में वर्ष 2021-22 तक लार्ज इंडस्ट्री की संख्या 107 थी जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 128 हो गई हैं। इसके साथ राज्य में वर्ष 2017 तक स्टार्टअप की संख्या शून्य थी, जो वर्ष 2021-22 में 702 थी तथा वर्ष 2024-25 में बढ़कर 1750 हो गई है। प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में सड़कों की कुल लम्बाई वर्ष 2021-22 में 50393 किमी थी, जो 2024-25 में बढ़कर 51278 किमी हो गई है। राज्य में 2022 तक 2 हेलीपोर्ट थे, जो वर्ष 2025 में बढ़कर 7 हो गए। हेलीपेड की संख्या वर्ष 2021-22 में 60 थी जो वर्ष 2024-25 में 118 हो गई है। उन्होंने बताया कि प्राइमरी विद्यालयों में ड्रॉपआउट का अनुपात वर्ष 2021-22 में 1.64 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में 1.41 प्रतिशत हो गया है, जबकि सेकेंडरी विद्यालयों में यह अनुपात वर्ष 2021-22 में 7.65 प्रतिशत था जो वर्ष 2024-25 में 4.59 प्रतिशत हो गया है।प्रमुख सचिव ने कहा कि राज्य में शासकीय एवं अशासकीय डिग्री कॉलेजों की संख्या वर्ष 2021-22 में 124 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 139 हो गई है। इसके साथ इजीनियरिंग कॉलेज गवर्नमेंट एवं प्राइवेट की संख्या वर्ष 2021-22 में 20 थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 52 हो गई है। उन्होंने बताया राज्य में 2021-22 में कुल 5157 मिलियन यूनिट का विद्युत उत्पादन होता था, जो 2024-25 में यह उत्पादन बढ़कर 16500 मिलियन यूनिट हो गया है। जबकि कंजम्पशन ऑफ इलेक्ट्रिसिटी (विद्युत खपत) में बढ़ोतरी हुई। वर्ष 2022 में बिजली की खपत 12518 मिलियन यूनिट थी, जो 2024-25 में बढ़कर 17192 मिलियन यूनिट हो गई है।प्रमुख सचिव ने बताया कि सोलर इलेक्ट्रिसिटी जेनरेशन के क्षेत्र में राज्य में अभूतपूर्व कार्य हुआ है। वर्ष 2021-22 में सौर ऊर्जा के माध्यम से 439 मेगावाट उत्पादन होता था, जो 2025 में बढ़कर 1027 मेगावाट हो गया है। उन्होंने बताया राज्य में शिशु मृत्यु दर (प्द. दिज डवतजंसपजल त्ंजम) वर्ष 2021-22 में 22 था, जो 2024-25 में घटकर 20 पर आ गया है। इसके साथ मातृ मृत्यु दर वर्ष 2021-22 में 103 थी, जो 2024-25 में घटकर 91 पर आ गया है। इसके साथ ही राज्य में लाइफ एक्सपेर्टेंसी की उम्र 71.7 साल से बढ़कर 73 साल हो गई है।प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 में 97 प्रतिशत घरों में शौचालय की सुविधा थी जो अब शतप्रतिशत हो गई है। उन्होंने बताया कि राज्य में धान और गेहूं उत्पादन में भी बढ़ोतरी हुई। राइस एवं व्हीट प्रोडक्शन वर्ष 2021-22 में 28.23 कुंतल प्रति हेक्टेयर था जो अब बढ़कर 32.47 कुंतल प्रति हेक्टेयर पहुंच गया है। उन्होंने बताया वर्ष 2021-22 में औषधिया एंड एरोमैटिक प्लांट का एरिया कुल 900 हेक्टेयर था, जो 2024-25 में बढ़कर 10 हजार हेक्टेयर पहुंच गया है।

प्रमुख सचिव ने बताया कि राज्य में वर्ष 2021-22 तक 50.92 लाख लीटर प्रतिदिन दुग्ध उत्पादन होता था, जो 2024-25 में बढ़कर 54.59 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। वहीं फिश उत्पादन में काफी बढ़ोत्तरी हुई है। फिश उत्पादन वर्ष 2021-22 में कुल 7325 टन प्रति साल होता था, जो 2024-25 में बढ़कर 10487 टन प्रति साल हो गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन के क्षेत्र में वर्ष 2021-22 में 8225 होटल/अदर स्टे थे जो 2024-25 में बढ़कर 10509 हो गए है। वहीं राज्य में 2021- 22 में 3935 होमस्टे थे, जिनकी संख्या 2024-25 में बढ़कर 6161 पहुंच गई है।

संक्षिप्त समाचार...

आंखों, त्वचा और बालों को केमिकल रंगों से नुकसान हुआ

हरिद्वार(संवाददाता)। होली पर शहर में सस्ते केमिकल युक्त रंगों ने लोगों की आंखों, त्वचा और बालों को नुकसान पहुंचाया। गुरुवार को विभिन्न अस्पतालों में बड़ी संख्या में लोग आंख और त्वचा का इलाज कराने पहुंचे। होली के दिन करीब 35 लोगों की आंखों और त्वचा पर बुरा असर पड़ा। कनखल के आशु शर्मा ने बताया कि होली खेलते समय केमिकल रंग लगने से उनकी आंखों में तेज जलन होने लगी। आंखें लाल हो गई और काफी देर तक जलन बनी रही। परेशानी बढ़ने पर निजी डॉक्टर से परामर्श लेना पड़ा। हरिद्वार के हरीश कुमार ने बताया कि एक मित्र ने गलती से केमिकल युक्त रंग लगा दिया, जिससे बच्चों की त्वचा पर एलर्जी हो गई। त्वचा पर छोटे-छोटे लाल दाने निकल आए। डॉक्टर ने करीब 15 दिन तक इलाज की सलाह दी है। उनकी खुद की त्वचा पर भी खुजली की समस्या बनी हुई है। वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. के. स्वरूप ने बताया कि गुरुवार को क्लीनिक पहुंचे करीब 30 में से 12 मरीज ऐसे थे, जिनकी त्वचा में खुजली और पानी वाले छोटे लाल दाने निकल आए थे। त्वचा को सुबह के समय सादे पानी से धोना चाहिए। घर पर बिना सलाह कोई दवा नहीं लगानी चाहिए। त्वचा पर इन्फेक्शन वाली जगह पर नारियल तेल लगाया जा सकता है। आंखों में इन्फेक्शन होने पर तुरंत नेत्र रोग विशेषज्ञ से उपचार कराना चाहिए।

सर्जिकल कॉटन कंपनी में आग, चार घंटे लगे बुझाने में

हरिद्वार(संवाददाता)। बहादराबाद में वर्धमान इंडस्ट्रियल एरिया की सिक्योर सर्जिकल कॉटन कंपनी में बुधवार सुबह आग लग गई। इससे आसपास की कंपनियों में दहशत का माहौल बन गया। कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। दूसरी ओर, फायर ब्रिगेड ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। बुधवार सुबह बहादराबाद में पतंजलि योगपीठ के पास इस कंपनी से अचानक आग की लपटें और काला धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। आग की तीव्रता के कारण आसपास की कंपनियों तक इसके फैलने का खतरा पैदा हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत फायर विभाग को सूचना दी। सूचना मिलते ही बहादराबाद फायर स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। आग काबू न होने पर मायापुर फायर स्टेशन से दो अतिरिक्त फायर यूनिट भी बुलानी पड़ीं।

जल जीवन मिशन की प्रगति पर सर्वोच्च समिति की समीक्षा

- मुख्य सचिव ने दिए जल गुणवत्ता परीक्षण और रिपोर्टिंग सुदृढ़ करने के निर्देश

- जल जीवन मिशन की वार्षिक कार्ययोजना 2026-27 पर भी हुई चर्चा

देहरादून(आरएनएस)। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन से संबंधित सर्वोच्च समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें राज्य में मिशन की प्रगति, वित्तीय स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पानी की गुणवत्ता परीक्षण में रासायनिक तथा बैक्टीरियोलॉजिकल दोनों प्रकार के परीक्षण अनिवार्य रूप से किए जाएं तथा संबंधित पेयजल परीक्षण की जानकारी संबंधित प्रोजेक्ट में तिथि सहित सार्वजनिक हित में स्पष्ट रूप से अंकित की जाए।बैठक में ळप्ै मैपिंग, च्ड गतिशक्ति पोर्टल पर पाइपलाइन नेटवर्क अपलोड की प्रगति, सुजल गांव आईडी निर्माण, वित्तीय समन्वय तथा तकनीकी निरीक्षण की भी समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने इन सभी कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए।बैठक के दौरान वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना, सामाजिक अंकेक्षण तथा तृतीय-पक्ष निरीक्षण को प्रभावी ढंग से लागू करने पर भी चर्चा की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को इन विषयों पर अग्रिम कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने केंद्र सरकार से संबंधित सभी बिंदुओं पर समयबद्ध रिपोर्टिंग तैयार कर प्रस्तुत करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर घर जल योजना के अंतर्गत जिन गांवों में फंक्शनल हाउसहोल्ड टैप कनेक्शन (थ्भ्ज्ब) की प्रगति दर्शाई गई है, उनका शत-प्रतिशत सर्टिफिकेशन भी सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि रिपोर्टिंग और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच किसी भी प्रकार का अंतर नहीं होना चाहिए।बैठक में सचिव दिलीप जावलकर एवं रणवीर सिंह, हॉफ वन विभाग रंजन मिश्र, अपर सचिव रोहित मीणा, अपूर्वा पांडेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। उत्तराखंड से संबंधित राष्ट्रीय जल जीवन मिशन के भारत सरकार के निदेशक प्रदीप सिंह वर्चुअल माध्यम से बैठक में जुड़े रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com